an>

Title: Need to merge the Bharat Wagon and Engineering Company Limited with Indian Railways.

श्री अजय निषाद (मुज़फ़्फ़रपुर): महोदय, आपने मुझे शून्य काल में बोलने का मौका दिया, इसके लिए आपको कोटि-कोटि आभार।

महोदय, सन् 1978 में बिहार मुजफ्फरनगर एवं मोकामा स्थित वैगन निर्माण में लगी निजी कंपनियों के अधिग्रहण एवं राष्ट्रीयकरण के उपरान्त भारत वैगन एंड इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड का गठन किया गया और इसे उद्योग मंत्रालय के अधीन रखा गया। इसका एकमात्र उत्पादन रेलवे वैगन होने के कारण इसे रेल मंत्रालय के अधीन विलय करना था, लेकिन वर्ष 2008 में इसका विलय करने के बजाय सिर्फ प्रशासनिक नियंत्रण में सौंपा गया, जो कंपनी की दुर्दशा का कारण बना। कंपनी लगभग 10 महीनों से बंद पड़ी है और अप्रैल, 2014 से इसके कर्मचारियों को वेतन भी नहीं मिल रहा है।

महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय रेल मंत्री जी से माँग करना चाहूँगा कि कारखाने को सुचारू रूप से चलाने हेतु इसका रेलवे में विलय किया जाए अथवा तत्काल इसे वैगन उत्पादन इकाई से जोड़ दिया जाए तथा इन इकाइयों को मिलने वाली सुविधाएं एवं संरक्षण भारत वैगन को दिया जाए। साथ ही कंपनी को आर्थिक संकट से निजात दिलाने के मद्देनजर वर्ष 2014-15 के बजट में आबंटित 18 करोड़ रूपए की राशि तत्काल मुहैया कराई जाए। धन्यवाद।

श्री जय प्रकाश नारायण यादव (बाँका) : निषाद जी का विषय ठीक है, हमारा समर्थन है। ...(व्यवधान)